Oct. 2021

SRMS Trust Bulletin

आयाम

- असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे राममूर्ति जी – PAGE 02
- रिद्धिमा में हुई अभिनय की कार्यशाला - PAGE 03
- स्तन में गांठ या बदलाव पर रहें सावधान – PAGE 09
- महिला और पुरूष, सबने दिखाया अपना 'पराक्रम'- PAGE 12
- ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'पैसा नहीं है'- PAGE 14
- SRMS मेडिकल कॉलेज में होगी किडनी ट्रांसप्लांट – PAGE 16

SRMS TRUST ने दी 800 विद्यार्थियों को स्कालरशिप

- PAGE 04

तीन करोड़ की स्कालरशिप

पिछले माह दो अक्टूबर को श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट ने 32वें स्थापना दिवस के साथ अपने प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री राममूर्ति जी की याद में 33वां श्रद्धांजलि समारोह मनाया। उनके आदर्शों को ध्यान में रख प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने और दूसरों को उनसे प्रेरित करने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट ने अपनी स्थापना साथ ही स्कालरशिप देने का फैसला किया था। 1990 में 11 छात्रों को 21 हजार रुपये देने के साथ शुरू हुई यह स्कालरशिप आज तीन करोड़ रुपयों के साथ 800 छात्रों तक पहुंच चुकी है। ट्रस्ट ने 3.5 करोड़ रुपये की राशि स्कालरशिप के लिए नियत की है। इस विश्वास के साथ की ज्यादा से ज्यादा विद्याथह्न इसे हासिल करने के लिए प्रेरित हों। ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति जी स्कालरशिप की राशि बढ़ाने की बात हर बार दोहराते हैं। वह कहते हैं कि जिस वर्ष विद्याथह्न इस पूरी राशि को हासिल कर लेंगे स्कालरशिप की राशि बढ़ा दी जाएगी। स्कालरशिप के लिए प्रति वर्ष 3.5 करोड़ राशि का बजट निर्धारित करना और इसे बढ़ाने की घोषणा बड़े हौसले को प्रदर्शित करती है। यही जज्बा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा के साथ उसे बदलने के लिए अपनी भूमिका भी खुद ही निर्धारित करता है।

जय हिंद

अमृत कलश

"असफलता को मार्ग का एक मोड़ समझना चाहिए, ना की यात्रा की समाप्ति।"

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi - Editor
Shivam Sharma - Correspondent
Rishabh Tiwari - Correspondent
Indu Dixit - Photographer
Dharmedra Kumar - Photographer
Yasmeen Khan - Designer
Vineet Sharma - (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi - (Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in
13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे राम मूर्ति जी

हमारे प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

गांधीवादी स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी बेहद सरल लेकिन असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। समाज के हर वर्ग के प्रति अपनत्व और उनके दुख सुख की चिंता उन्हें दूसरों से अलग करती थी। क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति उनके पास से खाली हाथ नहीं लौटता था। लोगों की समस्याओं का समाधान हर समय श्रीराममूर्ति जी के पास मौजूद रहता। वे जितना धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते थे उतना ही शिक्षा पर भी उनका जोर था। उन्होंने जीवन भर समाजसेवा और गरीबों के उत्थान को प्राथमिकता दी। लोकहित और राष्ट्रहित को हमेशा अपने परिवार से ऊपर माना। इसी वजह से आजादी के बाद जब कुछ न करने वाले भी स्वतंत्रता सेनानी पेंशन हासिल करने के लिए जोड़ तोड़ कर रहे थे। राममूर्ति जी ने स्वतंत्रता सेनानी पेंशन लेने से इंकार कर दिया। उनका मानना था कि देश और समाज की सेवा का कोई मूल्य नहीं होता। वो राष्ट्र सेवा को सदैव कर्तव्य समझ कर जिये। अपने अंतिम क्षणों में भी उन्होंने लोगों की मदद करना नहीं छोड़ा। शिक्षा के प्रति उनका लगाव ही था कि वह निजी तौर पर जरूरतमंद छात्रों की सहायता करने से कभी नहीं चूकते। विधायक और सांसद रहते हुए कई मंत्री पदों को उन्होंने सुशोभित किया। उत्तर प्रदेश सरकार में लगातार वह 17 वर्ष विभिन्न मंत्रालयों में मंत्री रहे, लेकिन उनका स्वभाव हमेशा सरल और सहज बना रहा। वे बड़े प्रेम से बात करने वाले एक असाधारण राजनीतिज्ञ थे। दो अक्टूबर 1988 में उन्होंने पार्थिव शरीर छोड़ा। ऐसी महान शख्सियत को सादर श्रद्धांजलि...।

उ.प्र. सरकार में मंत्री रहते एक परियोजना का उद्घाटन करते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी। (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

सम्मान

रुहेलखंड मैनेजमेंट एसोसिएशन की ओर से 9 अक्टूबर 21 को आयोजित सम्मान समारोह में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी को सम्मानित किया गया। रूहेलखंड मैनेजमेंट एसोसिएसन की ओर से होटल पंचम में हुए समारोह में उन्हें अंग वस्त्र, सर्टिफिकेट के साथ और स्मृति चिह्न रुहेलखंड विवि के वीसी प्रोफेसर केपी सिंह ने प्रदान किया। इस मौके पर जी इंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रेसीडेंट राहुल जौहरी जी, उद्योगपति घनश्याम खंडेलवाल जी, उप्र बार काउंसिल के अध्यक्ष शिरीष मेहरोत्रा, आशीष खंडेलवाल, दिनेश गोयल, डा.मनीष शर्मा सहित जाने माने लोग मौजूद रहे।

छह दिवसीय वर्कशाप में नई तकनीकी के साथ सीखीं अभिनय की बारीकियां

थिएटर से खत्म होता है तनाव: देवमूर्ति

उद्घाटन

समापन

- दुनिया के रंगमंच पर भूमिकाएं निभाते हैं हम सब: पालीवाल
- नाट्यकर्मी जेसी पालीवाल और देवमूर्ति ने किया उद्घाटन
- चित्रा मोहन जी को आदित्य मूर्ति जी ने दिया स्मृति चिन्ह

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में माडर्न थिएटर टेक्निक्स पर छह दिवसीय थिएटर वर्कशाप आयोजित हुई। इसमें थिएटर के इतिहास की जानकारी के साथ प्रतिभागियों को एक्टिंग, मेकअप, मास्कमेकिंग, स्टेज, लाइट, साउंड जैसी थिएटर से संबंधित तमाम बारीकियों की जानकारी दी गई। वर्कशाप में प्रशिक्षण देने आयी भारतेंदु नाट्य अकादमी की माडर्न थिएटर की प्रोफेसर चित्रा मोहन जी रंगमंच को सभी लोगों तक पहुंचाने के लिए भविष्य में ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन पर जोर दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने चित्रा मोहन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट प्रदान किए। नाट्यकर्मी जेसी पालीवाल जी, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी और एसआरएमएस आईएमएस के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता जी ने 19 अक्टूबर को माडर्न थिएटर टेक्निक्स वर्कशाप का उद्घाटन कर दीप प्रज्वलित किया। पालीवाल ने कहा कि इस वर्कशाप से उन्हें अपना बचपन याद आ गया है। 1952 में जब उन्होंने राधेश्याम कथावाचक के नाटक वीर अभिमन्यु से थिएटर करना आरंभ किया था। उन्होंने थिएटर और दुनिया को एक जैसा बताया। बोले, दुनिया बड़ा रंगमंच है। यहां पर भी हम बेटे, भाई, पति, बाप, दादा की अलग अलग भूमिकाएं अलग अलग समय पर निभाते हैं। यही थिएटर में भी होता है। पालीवाल ने रिद्धिमा को बरेली शहर के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया। कहा कि देवमूर्ति जी ने रिद्धिमा की स्थापना कर शहर को सांस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाने वाला एक तोहफा दिया है। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने पालीवाल जी को बरेली शहर में थिएटर का जनक बताया। इन्हीं की बदौलत यहां पर यह कला जीवित है। देव मूर्ति जी ने थिएटर को जीवन शैली बदलने और तनाव को खत्म करने वाला बताया। चित्रा मोहन जी ने सभी को थिएटर की बारीकियों से परिचित कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए आचिक, वाचिक, आंगिक, आहार्य जैसे सारे तत्वों का समावेश कर एक नाटिका तैयार की। नवरसों को समेटे इस नृत्यनाटिका को प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को अम्बुज कुकरेती, अजय चौहान, अम्बाली प्रहराज, देवज्योति नास्कर, रियाश्री चटर्जी, संजय बिष्ट जी जैसे रिद्धिमा के गुरुजनों ने भी प्रशिक्षित किया। इस मौके पर डा. प्रभाकर गुप्ता, डायरेक्टर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड डा. अनुज सक्सेना, अनुज गुप्ता, डा.रितु सिंह, डा.एएस यादव मौजूद रहे।

अभिनेता मुकुल नाग ने दिए रिद्धिमा में अभिनय के टिप्स

एसआरएमएस रिद्धिमा में 13 अक्टूबर को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध अभिनेता मुकुल नाग ने थिएटर विभाग के विद्यार्थियों को अभिनय की बारीकियां सीखायीं। अपहरण, गंगाजल, फैंटम, मैं माधुरी दीक्षित बनाना चाहती हूं, मस्त, कंपनी, सत्ता, हज़ार चौरासी की माँ जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके मुकुल नाग ने छोटे पर्दे पर रामानंद सागर के धारावाहिक श्रीकृष्णा, साई बाबा, व्योमकेश बक्शी, गंगा, काल भैरव, रहस्य में भी अभिनय किया है। अभिनय में आवाज़, शब्द जैसे जरूरी तत्वों का वर्णन करते हुए मुकुल नाग ने विद्यार्थियों को अभिनय में इसके प्रयोग की तकनीकी बताई।

प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी को एसआरएमएस ट्रस्ट ने किया याद

800 छात्रों को दी तीन करोड़ की स्कालरशिप

जयंत कृष्णा और शाकिर खां को श्री राममूर्ति प्रतिभा अलंकरण

सम्मान समारोह

- कहानी और वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित
- ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने बतायीं पिछले 31 साल की उपलब्धियां

देवमूर्ति जी ने कहा

- 3.5 करोड़ की स्कॉलरशिप मेधावी विद्यार्थियों को दी जाती है प्रतिवर्ष
- शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय गायन और कला के संरक्षण को रिद्धिमा
- एसआरएमएस की ताकत है उसके 6000 सैनिक रूपी कर्मचारी
- जरूरतमंदों में वितरित किया 25 लाख रुपये से ज्यादा का भोजन
- हमने 12 सौ की जगह मात्र 180 रुपये में बना दी पीपीई किट

नमन

बरेली। श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट के सभी महाविद्यालयों (श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी बरेली, श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नोलाजी एण्ड रिसर्च बरेली, श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बरेली एवं श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी उन्नाव, तथा श्री राममूर्ति स्मारक इन्टरनेशनल बिजनेस स्कूल लखनऊ) में दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म दिन उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित और राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर उल्लास से मनाया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट परिवार ने अपने प्रेरणा श्रोत प्रख्यात स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद स्व. श्री राममूर्ति जी की 33वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह भी सादगी से मनाया। मुख्य कार्यक्रम बरेली स्थित श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी के श्री राममूर्ति शतिक प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। जहां प्रबंध न्यासी श्री देव मूर्ति जी ने अपने पूज्य पिता जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर 800 होनहार विद्यार्थियों को तीन करोड़ रुपये की स्कालरशिप प्रदान की गई। ट्रस्ट ने कुशल नीतिकार जयंत कृष्णा और इटावा घराने के प्रसिद्ध संगीतकार उस्ताद शाकिर खां को श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण से सम्मानित किया। इसके साथ ही ट्रस्ट द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता और 32वीं वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कहानी प्रतियोगिता में देहरादून के त्रिज किशोर की कहानी 'कर भला सो हो भला' को प्रथम पुरस्कार दिया गया। उनके साथ प्रतियोगिता के अन्य विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। वाद विवाद प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में चल वैजयंती राधामाधव स्कूल के विद्यार्थियों ने हासिल की। जबकि वरिष्ठ वर्ग में शारिक शबाब जैदी और यथार्थ आनंद ने प्रथम स्थान हासिल कर अपने संस्थान बरेली

श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण

जयंत कृष्णा

शाकिर खां

महान स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी की स्मृति में 1993 से शुरू श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण से देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली प्रदेश की विभूतियों को सम्मानित किया जाता है। साहित्यकार, कलाकार, समाज सुधारक, वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता, उद्योगपति, खिलाड़ी और कृषि विशेषज्ञ में से 52 विभूतियों को अब तक यह अलंकरण प्रदान किया जा चुका है। इसमें प्रतिभा अलंकरण के साथ एक लाख रुपये नकद दिए जाते हैं। इनमें अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, सुधांशु जी महाराज, शायर प्रोफेसर वसीम बरेलवी, पर्यावरणविद सुंदर लाल बहुगुणा, व्यंगकार केपी सक्सेना, शिक्षाविद प्रोफेसर महेंद्र सिंह सोढ़ा, आई सर्जन डा.जेसी बास, उद्योगपति अशोक कुमार गोयल, संपादक अशोक कुमार अग्रवाल, विशिष्ट सैनिक कर्नल सुरेश जोशी, वैज्ञानिक विजय कुमार जैन, न्यायाधीश प्रमोद कुमार जैन जैसे व्यक्तित्व शामिल हैं। इस वर्ष श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण कुशल नीतिकार जयंत कृष्णा और इटावा घराने के प्रसिद्ध सितार वादक उस्ताद शाकिर खां को दिया गया। जयंत कृष्णा विगत 35 वर्षों से देश एवं देश से बाहर अपनी कुशल एवं विलक्षण बौद्धिक क्षमता के माध्यम से कौशल विकास, आर्थिक एवं क्षेत्रीय सुधारों को संबल देने की दिशा में आपका योगदान अविस्मरणीय दे रहे हैं। वहीं पर उस्ताद शाकिर खां विगत 20 वर्षों से देश एवं देश से बाहर सितार वादन के माध्यम से पश्चिमी शैली के प्रभाव से लुप्त होती देश के शास्त्रीय संगीत परम्पराओं के प्रसार एवं संरक्षण के प्रयास में योगदान दे रहे हैं।

कालेज को चल वैजयंती दिलायी। कार्यक्रम की शुरूआत बापू के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने रे कहिए जे पीर पराई जाने रे' से हुई। इसके बाद ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति ने बताया कि उनके पिता स्व. श्री राममूर्ति जी एक स्वतंत्रता सेनानी थे इसलिए उनके द्वारा बताई गई बातों से प्रभावित होकर मानवसेवा के लिए सन 1990 में एसआरएमएस ट्रस्ट की स्थापना की गई थी। स्थापना के प्रथम वर्ष ही होनहार छात्रों को बेहतर भविष्य की नींव रखने के लिए छात्रवृत्ति का वितरण शुरू किया गया जो कि 11 छात्रों को 21 हजार रुपये के साथ शुरू हुआ। आज 32वें स्थापना दिवस के मौके पर यह संख्या 800 छात्रों तक पहुंच चुकी है, जिन्हें तीन करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी जा रही है। देव मूर्ति जी ने बताया कि एसआरएमएस ट्रस्ट हर प्रतिभावान का सम्मान करता है इसी कारण स्थापना के पहले साल से ही वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन होता रहा है। कहानी प्रतियोगिताओं का आयोजन कर कवियों को प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अपना नाम कमा चुके प्रतिभावान शख्सियतों को भी श्रीराममूर्ति प्रतिभा अलंकरण सम्मान से नवाजा जाता रहा है।

देवमूर्ति जी ने पिछले वर्ष कोविड महामारी के दौरान लगाए गए लाकडाउन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके तुरन्त बाद हमने कोविड से निपटने के लिए मेडिकल कालेज की तैयारियों पर मीटिंग की। सरकार ने एसआरएमएस को लेवल श्री अस्पताल घोषित किया, जिसके बाद हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ गई थी। ऐसे कठिन समय में हमारे

अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता में 'कर भला सो हो भला ' अव्वल

त्रिज किशोर

युवाओं की लेखन प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 1996 से अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता आरंभ की गई थी। इस वर्ष देश के अलग अलग राज्यों से 25 लेखकों ने अपनी कहानी इस कहानी प्रतियोगिता के लिए भेजीं। जिसमें देहरादून के त्रिज किशोर को कहानी शीर्षक 'कर भला सो हो भला' को प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया और पुरस्कार स्वरूप 11 हजार रुपये, एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बरेली के सार्थक सारस्वत को कहानी 'ईमान का उत्सव' ने द्वितीय हासिल हुआ। उन्हें द्वितीय पुरस्कार स्वरूप पांच हजार रुपये, एवं प्रमाण पत्र प्रदन किए गए। देहरादून के निशांत कुमार की कहानी 'सफलता की कुंजी' ने तृतीय स्थान हासिल किया। उन्हें चार हजार रुपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कहानी प्रतियोगिता में कानपुर की शालिनी तिवारी के कहानी शीर्षक 'मानवता का रिश्ता' एवं देहरादून के अभिनन्दन पाण्डेय के कहानी शीर्षक 'विपत्ति कसौटी जे कसे तेहि साचे मित्र' को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 2500 रुपये व प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। श्रद्धांजलि समारोह में ट्रस्ट चेयरमैन श्री देवमूर्ति जी और अतिथियों ने अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र के साथ नकद धनराशि प्रदान की।

देश के टाप टेन मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस शामिल: आदित्य मूर्ति

श्रद्धांजलि समारोह में ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी ने ट्रस्ट की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इंडिया टुडे के सर्वे में एसआरएमएस मेडिकल कालेज वर्ष 2000 के बाद देश में स्थापित मेडिकल कालेजों की टाप टेन सूची में शामिल किया गया है। इंडिया टुडे ने अपने लिस्ट में देश के सभी 554 सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों के बीच एसआरएमएस मेडिकल कालेज को 38वीं रैंक दी है। यह हम सबके लिए गर्व की बात है। आदित्य मूर्ति ने एसआरएमएस ट्रस्ट के अन्य संस्थानों का भी जिक्र किया। कहा कि, मानव सेवा के उद्देश्य से 31 साल पहले वर्ष 1990 में एसआरएमएस ट्रस्ट की स्थापना की गई। ट्रस्ट ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए वर्ष 1996 में पहले संस्थान के रूप में एसआरएमएस सीईटी स्थापित किया। इसके बाद 2000 में कालेज आफ फार्मेसी, सन 2002 में मेडिकल कालेज, 2006 में कालेज आफ नर्सिंग, 2008 में कालेज आफ इंजीनियरिंग टैक्नोलाजी एंड रिसर्च, 2008 में आर.आर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर, 2011 में पैरामेडिकल साइंसेज, 2011 में इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल (उन्नाव), 2011 में कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलाजी (उन्नाव), 2015 में फंक्शनल इमेजिंग एंड मेडिकल सेंटर (लखनऊ), 2015 में चौरिटेबिल स्कूल (उन्नाव), 2015 में टेलीमेडिसन सेंटर भैरपुरा (बरेली), 2015 में फ्यूचर क्लासरूम धौराटंडा (बरेली), 2017 में मोबाइल टेलीमेडिसन सेंटर (बरेली), 2018 में कालेज आफ ला, 2018 में मल्टी सुपरस्पेशिलिटी हास्पिटल एसआरएमएस गुडलाइफ, 2018 में मेडिकल हास्पिटल (165 बेडेड मल्टी सुपरस्पेशिलिटी हास्पिटल विद आईसीयू सर्विस, उन्नाव), 2018 में कालेज आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल (उन्नाव) और 2018 में स्टैप टू लाइफ (फिजिकल रिहैबिलिटेशन एंड फिजियोथिरेपी सेंटर, लखनऊ) की स्थापना की गई।

डाक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ ने पूरी निष्ठा के साथ काम किया। कोरोना के समय ही ब्लैक फंगस के मरीजों की भी संख्या काफी बढ़ गई। हमारे डाक्टर्स ने इसके इलाज में भी सफलता पाई। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस की ताकत उसके 6000 सैनिक रूपी कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल का समय बेहद मुश्किल भरा था। उस समय न जाने कितने लोग बेरोजगार हुए और बंदी के कारण अपने काम पर न जाने की वजह से दिल्ली से पलायन करने पर मजबूर हुए तब एसआरएमएस ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए शरणार्थियों को 25 लाख रुपये से ज्यादा का भोजन वितरित किया। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस में कोरोनाकाल के समय में खुद की टेलरिंग यूनिट की शुरूआत की। जब बाजारों में लूटमार का दौर चल रहा था और एक पीपीई किट की कीमत 1200 तक वसूली जा रही थी। ऐसे समय में एसआरएमएस ने खुद की पीपीई किट तैयार की जिसकी कीमत 180 रुपये रखी गई। देवमूर्ति जी ने कहा कि आज के दौर में शास्त्रीय संगीत गायब होता जा रहा है। इसे संरक्षित करने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट ने रिद्धिमा (सेंटर आफ परफार्मिंग एंड आर्ट) की स्थापना की गई। यह मंच से प्रतिभाओं को निखारने के साथ ही कलाकारों को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इसकी वजह और प्रेरणा स्रोत भी बाबूजी का संगीत से बेहद लगाव रखना ही है। देव मूर्ति जी ने बताया कि श्री राममूर्तिपुरम में ट्रस्ट ने री-साइकिलिंग प्लांट भी लगाया है। अंत में उन्होंने विद्यार्थियों को सीख दी। कहा कि जो बात दिल पर लग जाए उस पर मेहनत के साथ काम करो सफलता आपकी मुट्ठी में होगी।

सवा सौ से ज्यादा लोगों ने किया रक्तदान

एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से अपने प्रेरणा श्रोत स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति की 33वीं पुण्यतिथि और राष्ट्रीय स्वेच्छा रक्तदान दिवस के मौके पर मेडिकल कालेज और इंजीनियरिंग कालेज में दो दिनी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, डा. तारिक महमूद, डा. संजय गुप्ता, डा. सुरेंद्र, डा. भारती सहानी और शंकरपाल गंगवार सहित स्टाफ, एमबीबीएस स्टूडेंट्स, पैरामेडिकल स्टूडेंट्स और नर्सिंग स्टाफ सहित सवा सौ से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। इम्मयूनोहिमाटोलाजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मिलन जायसवाल ने कहा कि शिविर में आए सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट दिए गए। कैंप में मेडीसन विभाग की डा. भारती साहनी ने हीमोग्लोबिन की कमी अथवा किसी अन्य कारणवश रक्त देने में असमर्थ रहने वाले लोगों को परामर्श दिया।

समारोह में यह रहे मौजूद

श्रद्धांजलि समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, पूर्व विधायक शहजिल इस्लाम, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ट्रस्टी ऋचा मूर्ति जी, खानकाये नियाजिया के प्रबंधक सिबतेन मियां उर्फ शब्बू मियां, गुरु मेहरोत्रा, प्रशांत पटेल, बरेली कालेज के प्राचार्य डा. अनुराग मोहन, बरेली कालेज की चीफ प्राक्टर डा. वंदना शर्मा, बरेली कालेज के पूर्व प्राचार्य डा. अजय शर्मा, ट्रस्ट एडवाइजर

मेडिकल सुप्रिंटेंडेंट डॉ. आर.पी. सिंह, आईएमएस के डीन यूजी नीलिमा मेहरोत्रा, डीन पीजी डॉ. पीएल प्रसाद, सभी विभागाध्यक्ष, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा. अनुज कुमार, सभी सदस्य बोर्ड आफ गर्वनर आदि मौजूद रहे। अन्त में एसआरएमएस सीईटी के डीन एकेडेमिक्स प्रो. प्रभाकर गुप्ता ने श्रद्धांजलि समारोह में आये हुए सभी गणमान्य सदस्यों को धन्यवाद दिया एवं प्रसाद लेकर जाने को कहा। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर आशीष कुमार ने किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता: वरिष्ठ वर्ग

बरेली कालेज के शारिक और यथार्थ ने जीती चल वैजयंती

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की 32वीं वाद विवाद प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में बरेली कालेज के शारिक शबाब जैदी (पक्ष) और यथार्थ आनंद (विपक्ष) प्रथम स्थान प्राप्त कर 'चल वैजयंती' ट्राफी अपने नाम की। श्रद्धांजलि समारोह में विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार और चल वैजयंती प्रदान की गई। प्रतियोगिता का आयोजन 27 सितम्बर को एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज के सभागार में किया गया। इसमें 'कृषि संशोधन बिल किसानों के लिए हितकारी' विषय पर पक्ष, विपक्ष में जिले के विभिन्न कालेजों से आए छात्रों ने अपने विचार रखे। इसमें एसआरएमएस सीईटी फार्मेसी की श्रुति सक्सेना (पक्ष), महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की किरण (विपक्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एसआरएमएस सीईटी के गौरव अग्रवाल (पक्ष) और एसआरएमएस सीईटी के आंजने वाजपेयी (विपक्ष) को तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता में एसआरएमएस सीईटीआर, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, केसीएमटी कालेज, एसआरएमएस आईएमएस, बरेली कालेज, एसआरएमएस पैरामेडिकल कालेज, एसआरएमएस सीईटी, एसआरएमएस सीईटी मैनेजमेंट, एसआरएमएस कालेज आफ फार्मेसी और ज्योति कालेज के छात्र शामिल हुए थे। इसमें जज की भूमिका डा. तारिक महमूद, अश्वनी कुमार और डा. औसफ अहमद मलिक ने निभाई।

राधा माधव पब्लिक स्कूल की श्वेता और प्रियांशी अव्वल

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट की 32वीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में चल वैजयंती इस वर्ष राधा माधव पब्लिक स्कूल बरेली को प्रदान की गई। इसमें श्वेता राठौर (पक्ष)और प्रियांशी (विपक्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रद्धांजलि समारोह में विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार और चल वैजयंती प्रदान की गई। यह प्रतियोगिता एसआरएमएस रिद्धिमा में 24 सिंतम्बर 2021 को आयोजित हुई। 'सम्पूर्ण लाकडाउन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव हुआ', विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंड्री पब्लिक स्कूल की मानवी सक्सेना (पक्ष), बेदी इंटरनेशनल स्कूल के आदित्य सक्सेना (विपक्ष) ने द्वितीय और द गुरु स्कूल की सलोनी शर्मा (पक्ष), इस्लामिया गर्ल्स इंटर कालेज की अफीफा जूही (विपक्ष) ने तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में बरेली के दो दर्जन से ज्यादा स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, रुचिसा, अश्वनी कुमार और मनीष चतुर्वेदी प्रतियोगिता में निर्णायक रहे।

अतिथियों ने साझा किए अपने अनुभव

- → देवमूर्ति जैसा पुत्र होना सभी मां-बाप के लिए गर्व की बात: डॉ. उमेश गौतम
- → बहुत नेकदिल और अच्छे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे राममूर्ति जी: सुभाष पटेल
- → राममूर्ति जी की सीखों को देवमूर्ति जी जीवन में चरितार्थ किया: अभय स्वरूप
- → उच्च विचारों के धनी राममूर्ति जी जैसा व्यक्तित्व मिलना मुश्किल: विकास शर्मा

श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित अतिथि महापौर डा. उमेश गौतम ने बताया कि वे अक्सर देवमूर्ति जी से मिलते रहते हैं। देवमूर्ति जैसा पुत्र होना हर माता-पिता के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बरेली को सुपरश्पेशियलिटी अस्पताल, इंजीनियरिंग कालेज और कलाकारों के लिए रिद्धिमा का मंच देकर जिले का मान प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में बढ़ाया है। पूर्व महापौर सुभाष पटेल ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि वह स्व. राममूर्ति जी को चाचा कहकर सम्बोधित करते थे। उन्होंने बताया कि राममूर्ति जी बहुत ही नेकदिल और अच्छे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे। उन्हीं की कड़ी मेहनत और काम करने की लगन से प्रेरित होकर ही वे राजनीति में आए और बरेली के महापौर बने। इसी प्रकार कर्नल अभय स्वरूप ने बताया कि उनके पिता और राममूर्ति जी बहुत अच्छे मित्र थे और देवमूर्ति और उनका बचपन साथ ही बीता है। उन्होंने बताया कि राममूर्ति जी की दी हुई सीखों को देवमूर्ति जी अपने जीवन में चरितार्थ कर दिखाया। विकास शर्मा ने बताया कि उनके पिता जी और राममूर्ति जी में घनिष्ठ मित्रता थी। इस कारण राममूर्ति जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि आज के समय में उनके जैसा व्यक्तित्व मिलना बहुत मुश्किल है। वे बहुत साधारण जीवन जीते थे। उनके विचार बहुत ही उच्च थे।

आठ विद्यार्थियों ने हासिल की दो-दो लाख की स्कालरशिप

श्रद्धांजलि समारोह में श्रीराममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा में विशिष्ट अंक प्राप्त करने पर स्कालरशिप प्रदान की गई। इस वर्ष श्रीराममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी बरेली, एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस बरेली, एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी रिसर्च बरेली, एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी उन्नाव एवं एसआरएमएस इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल लखनऊ के 800 से अधिक विद्यार्थियों को तीन करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इनमें से आठ विद्यार्थियों ने दो-दो लाख रुपये स्कालरशिप में हासिल किए। यह राशि हासिल करने वाले सभी मेधावी विद्यार्थी मेडिकल के थे। जबकि 11 विद्यार्थियों ने स्कालरशिपि में एक-एक लाख से अधिक की राशि हासिल की। 27 बच्चे ऐसे रहे जिन्होंने 50-50 हजार रुपये से ज्यादा की राशि स्कालरशिप में प्राप्त की। ऐसा कोई भी छात्र नहीं रहा जिसने स्कालरशिप में 20 हजार रुपये से कम की राशि प्राप्त की हो। बरेली स्थित एसआरएमएस सीईटी में बीफार्म 2020 बैच की दो बहनों अंजलि इंडियन और प्रांजलि इंडियन ने 91 हजार 91 हजार रुपये स्कालरशिप में हासिल किए।

2.0 लाख रुपये - अनुष्का अरोरा (एमबीबीएस, 2017 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - अनुभा कांडपाल (एमबीबीएस, 2017 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - सिद्धार्थ तनेजा (एमबीबीएस, 2017 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - निकिता अग्रवाल (एमबीबीएस, 2018 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - साक्षी मौर्या (एमबीबीएस, 2018 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - तनिष्का गोयल (एमबीबीएस, 2018 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - अपूर्वा महेश्वरी (एमबीबीएस, 2018 बैच), आईएमएस
2.0 लाख रुपये - कृतिका सिंह (एमबीबीएस, 2018 बैच), आईएमएस
1.25 लाख रुपये - अवंतिका छिमवाल (एमबीबीएस, 2016 बैच),आईएमएस
1.25 लाख रुपये - वर्षा शर्मा (एमबीबीएस, 2019 बैच), आईएमएस
1.00 लाख रुपये - आयुषि खुराना (एमबीबीएस, 2019 बैच), आईएमएस
91 हजार रुपये - अंजलि इंडियन (बीफार्म, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
91 हजार रुपये - प्रांजलि इंडियन (बीफार्म, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
90 हजार रुपये - करन गौतम (बीटेक, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
89 हजार रुपये - आर्य गुप्ता (बीफार्म, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - कुलदीप कश्यप (बीटेक, 2018 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - तपोश चंद्र शर्मा (बीटेक, 2019 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये शुभांगी जैन (बीटेक, 2019 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - तान्या सक्सेना (बीटेक, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - सौम्य कुमार (बीटेक, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - आकाश कुमार सिंह (बीटेक, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - ईशा मित्तल (बीटेक, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - प्रियांक गुप्ता (बीटेक, 2020 बैच), सीईटी, बरेली
86 हजार रुपये - सुजाता (नर्सिंग, 2021 बैच), नर्सिंग, बरेली
86 हजार रुपये - शिवांगी शर्मा (बीओटीटी, 2017 बैच), आईपीएस, बरेली
86 हजार रुपये - शुभि सक्सेना (बीफार्म, 2019 बैच), सीईटी, बरेली
50 हजार रुपये - अंजलि मिश्रा (एमबीबीएस, 2019 बैच), आईएमएस

स्तन में गांठ या आकार में बदलाव पर रहें सावधान

- दुनिया भर में महिलाओं में सबसे तेजी से बढ़ रहा है स्तन कैंसर
- अन्य कैंसर के मुकाबले इसकी पहचान और इलाज बेहद आसान
- घर पर खुद ही जांच कर इसकी पहचान कर सकती हैं महिलाएं

बरेली: तेजी से बढ़ रही कैंसर महामारी महिलाओं और पुरुषों को अपना शिकार बना रही है। पिछले वर्षों तक बच्चेदानी का कैंसर महिलाओं में सबसे सामान्य और प्रचलित था लेकिन अब स्तन कैंसर पहले नंबर पर है। हालांकि इसकी पहचान बेहद आसान है। महिलाएं घर पर खुद ही इसका परीक्षण कर सकती हैं। लेकिन जागरूकता की कमी से ऐसा नहीं हो पाता और यही स्तन कैंसर बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। स्तन कैंसर के लक्षण, कारण, जांच, उपचार और निदान पर आज बात करते हैं। एसआरएमएसआईएमएस स्थित आरआर कैंसर एंड रिसर्च सेंटर के एचओडी कैंसर विशेषज्ञ प्रोफेसर (डा.) पियूष कुमार अग्रवाल से।

डॉ. पियूष अग्रवाल

सवाल- स्तन कैंसर है क्या ? यह भी अन्य कैंसर की तरह लाइलाज है?

डा.पियूष- शरीर के किसी भी भाग या अंग में कोशिकाओं को असामान्य और अनियंत्रित वृद्धि को कैंसर कहा जाता है। यह वृद्धि गांठ के रूप में सामने आती है। यह स्तन में हो तो इसे स्तन कैंसर कहा जाता है। शरीर में कैंसर किसी भी अंग में हो यह लाइलाज नहीं है। स्तन कैंसर भी नहीं। बशर्ते इसकी जानकारी आरंभिक स्तर पर हो जाए और कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श के बाद जरूरी ट्रीटमेंट मिलने लगे। लेकिन जागरूकता की कमी और लापरवाही से ऐसा होता नहीं है। ऐसे में जागरूकता जरूरी है। स्तन कैंसर की जांच तो महिलाएं खुद ही कर सकती हैं।

सवाल- घर पर महिलाएं खुद इसका परीक्षण कैसे कर सकती हैं ?

डा.पियूष- अपने स्तनों का स्वयं परीक्षण करना बहुत ही आसान है। महिलाएं महीने में एक बार सामान्य रूप से अपने स्तन का परीक्षण करें। इस दौरान स्तन के आकार और रंग में बदलाव, निपल की स्थिति अथवा आकर में बदलाव, निपल का अंदर की ओर मुड़ना, स्तन में सिकुड़न अथवा गड्ढा होना, निपल के आसपास फुंसी या ददोरा, बगल अथवा स्तन के हिस्से में लगातार दर्द के साथ निपल से द्रव का निकलना, बगल के नीचे या कंधे के चारों ओर सूजन होना जैसा कुछ भी महसूस हो, तो तुरंत अपने चिकित्सक से परामर्श करें।

सवाल- क्या स्तन में गांठ से पुष्टि हो जाती है कि यह कैंसर हैं ?

डा.पियूष- नहीं। स्तन में होने वाली सभी गांठे कैंसर हों, यह जरूरी नहीं। ऐसा बहुत कम स्थितियों में होता हैं, लेकिन यदि स्तन में लगातार कोई गांठ है, उसके आकार में बदलाव भी हो रहा है। तो कैंसर की आशंका होती है। यह मैमोग्राफी जांच में कंफर्म होता है। मैमोग्राफी एक सरल रेडियोग्राफिक तकनीक है, जिससे स्तन के टिशूज में होने वाली अनियमितताओं का पता लगाने में मदद मिलती है।

सवाल- अगर स्तन में कोई गांठ है तो क्या करें महिलाएं ?

डा.पियूष- अगर कोई गांठ है। लेकिन कैंसर का कोई अन्य लक्षण नहीं है तो उसे सामान्य सर्जरी से निकलवाना संभव है।

सवाल- क्या स्तन कैंसर की पारिवारिक हिस्ट्री वाली महिलाओं में इसकी आशंका ज्यादा है ?

डा.पियूष- जी बिल्कुल। यदि स्तन कैंसर से पीड़ित होने का इतिहास है, तो परिवार की लड़कियों में स्तन कैंसर होने का खतरा होता है। हालांकि यह सामान्य कैंसर पीड़ित महिलाओं से सिर्फ दस फीसद ज्यादा होता है।

सवाल- स्तन कैंसर के अन्य जोखिम भी हैं क्या ?

डा.पियूष- स्तन में कैंसर रहित गांठ के भी बाद में कैंसर में विकसित होने की आशंका रहती है। जिन महिलाओं के स्तन में घने डिशूज होते हैं उनमें भी स्तन कैंसर का ज़ोखिम अधिक होता हैं। अनियमित जीवन शैली, असंतुलित आहार, धूम्रपान, एल्कोहल, हाई फैट का सेवन करने वाली महिलाओं में भी स्तन कैंसर का खतरा दूसरों के मुकाबले ज्यादा होता है। अधिक वजन स्तन कैंसर का भी एक कारण होता है। जिन महिलाओं को मासिक धर्म समय से पहले या रजोनिवृत्ति सामान्य की तुलना में बाद में होती हैं, उनमें भी स्तन कैंसर होने का आशंका ज्यादा होती है।

सवाल- क्या स्तन कैंसर छूत की बीमारी है ?

डा.पियूष- नहीं। यह बीमारी सिर्फ कोशिकाओं को अनियंत्रित वृद्धि का परिणाम है। यह संपर्क में आने से नहीं फैलती।

सवाल- क्या स्तन कैंसर पुरुषों में भी संभव है?

डा.पियूष- आमतौर पर स्तन कैंसर, स्तन की वाहिकाओं (निपल तक दूध पहुंचाने वाली वाहिकाएं) और लोबस (वाहिकाएं जो दूध बनाती हैं) में अनियंत्रित वृद्धि के कारण होता है। यह पुरुष और स्त्री दोनों को हो सकता है, हालांकि यह पुरुषों को विरले ही होता है।

सवाल- सामान्य धारणा है कि कैंसर होने पर स्तन काटना ही एक उपाय है?

डा.पियूष- यह एक भ्रांति है। जो सही नहीं। हां पहले स्तन कैंसर में पूरे ब्रेस्ट को निकालना पड़ता था। लेकिन अब ब्रेस्ट आनकोप्लास्टी जैसी नई सर्जरी से पूरे स्तन को बचाया जा सकता है।

सवाल- स्तन कैंसर की रोकथाम के लिए क्या सुझाव देंगे ?

डा.पियूष- इसके साथ जीवन शैली व्यवस्थित करें। नियमित व्यायाम को शामिल करें। अपना वजन नियंत्रित रखें। आहार में सब्जियों और फलों को अधिक से अधिक शामिल करें। धूम्रपान और एल्कोहल का सेवन न करें। स्तनपान कराने वाली माताएं कम से कम एक वर्ष अपने शिशुओं को स्तनपान कराएं। महिलाओं से ज्यादा उनके घरवाले इसके प्रति जागरूक हों। योग्य चिकित्सक से अपने स्तनों की स्क्रीनिंग अवश्य करवाएं। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ब्रेस्ट स्क्रीनिंग प्रोग्राम संचालित है। महिलाएं इसका लाभ ले सकती हैं। यहां शनिवार की ओपीडी स्क्रीनिंग के लिए है। महिलाएं किसी भी दिन यहां ब्रेस्ट स्क्रीनिंग करवा सकती हैं। अपने बेस्ट ट्रीटमेंट और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लगातार स्वस्थ होते कैंसर के मरीज एसआरएमएस मेडिकल कालेज को उत्तर भारत में एक बड़ा कैंसर सेंटर बना रहे हैं।

मंच पर सुर, लय, ताल और भाव का संगम

बरेली: अक्टूबर माह में रिद्धिमा का मंच पूरी तरह से कला को समर्पित रहा। इटावा घराने के सुप्रसिद्ध सितारवादक उस्ताद शाकिर परवेज खान ने अपने सितार वादन से बरेली के लोगों के साथ ही रिद्धिमा के विद्यार्थियों को भी मंत्रमुग्ध किया। बंदिश के जरिये रिद्धिमा के गुरुओं और कलाकारों ने इंडियन और वेस्टर्न म्यूजिक को एक सूत्र में पिरोया। दोनों के फ्यूजन पर साज भी सजे और सुर भी। भस्मासुर की पौराणिक कथा पर रिद्धिमा के गुरुओं ने नृत्यनाटिका भी प्रस्तुत की। नृत्य, भाव और अभिनय से सजी इन प्रस्तुति ने एक अनूठा आभामंडल रच कर दर्शकों के सामने भस्मासुर के जरिये स्वार्थ से परे हट कर समाज के लिए सोचने का संदेश दिया। थिएटर को पसंद करने वालों के लिए रिद्धिमा के मंच पर 'जरूरत है श्रीमती की', 'बेबी', और 'टुकड़े टुकड़े धूप' का मंचन कर उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। राजकुमार अनिल द्वारा लिखित 'जरूरत है श्रीमती की' ने हास्य के जरिये लालच और स्वार्थ से दूर रहने का संदेश दिया। विजय तेंदुलकर के नाटक 'बेबी' में नारी सम्मान का मुद्दा उठाया और नारी शक्ति को प्रोत्साहित करने की प्रेरणा दी। रजनीश गुप्ता द्वारा लिखित 'टुकड़े टुकड़े धूप' में विदेश में बसे बेटे की याद में अकेले दिन गुजारते बुजुर्गों की व्यथा को सामाजिक मुद्दा बनाया गया। कार्यक्रमों में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.एसबी गुप्ता, डा.पीएल प्रसाद, डा.पीके परडल, डा.शरत जौहरी, डा. नीलिमा मेहरोत्रा, गुरु मेहरोत्रा, देवेंद्र खंडेलवाल, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, आशीष कुमार, इंदु परडल, डा. अनुराग मोहन, डा.दीपशिखा जोशी, अनुज गुप्ता सहित शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

'टुकड़े टुकड़े धूप' की चाहत में दिन गुजारते बुजुर्ग दंपति

विदेश में बसे बेटे के इंतजार में दिन गुजारते बुजुर्ग दंपति के दुख को दिखाते रजनीश गुप्ता लिखित इस नाटक का निर्देशन काजल सूरी ने किया। इसमें विदेश बसे बेटे राजू के इंतजार में बुजुर्ग दंपति प्रमोद और सावित्री उसकी यादों के सहारा जी रहे हैं। बेटा 15 साल बाद लौटता है लेकिन स्थायी रूप से विदेश वापस जाने के लिए। मां-बाप उसे रोकना चाहते हैं पर ऐसा संभव नहीं होता। वह फिर अकेले हो जाते हैं। प्रमोद और सावित्री का किरदार राजीव मैनी और काजल सूरी ने पूरी शिद्दत से निभाया।

भस्मासुर की कथा पर नृत्य नाटिका 'वरदान'

भरतनाट्यम गुरु अम्बाली प्रहराज और देबज्योति नक्सर ने भरतनाट्यम व कथक नृत्य से भस्मासुर वध को 'वरदान' से प्रस्तुत किया। इसमें राजश्री चटजह्न ने मोहिनी, डा.दीपशिखा ने लक्ष्मी, रिया सक्सेना ने नारद और अखिलेश शर्मा ने नंदी के किरदारों को निभाया। जबकि कुंवरपाल ने सितार, शिवशंभु कपूर और दीपक सहाय ने तबला, पवनराज चौधरी ने बांसुरी, अनीश मिश्रा और उमेश मिश्रा ने सारंगी, आगस्टीन फ्रेडरिक ने गिटार पर साथ दिया। शिवांगी मिश्रा और स्नेहाशीष मिश्रा ने कथा को आवाज दी।

उस्ताद शाकिर परवेज खान ने सितार को साधा

एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में पहली अक्टूबर की शाम संगीत संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें इटावा घराने के सितार वादक शाकिर परवेज खान ने सितार पर अपनी अंगुलियां साधीं। उन्होंने सितार पर कोमल निषाद रागेश्री राग प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। रिद्धिमा गुरु दीपक सहाय ने तबले पर उनका बखूबी साथ दिया। इससे पहले एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने उस्ताद शाकिर परवेज खान को पौधा भेंट कर स्वागत किया।

'बेबी' से नारी शक्ति के सम्मान का

'बेबी' नाटक से नारी के सम्मान और नारी शक्ति का संदेश दिया गया। मानसिक और शारीरिक शोषण से परेशान महिला बेबी को हर कदम पर अपमानित होना पड़ता है। वह खुशहाल जिंदगी जीना चाहती है लेकिन ऐसा होता नहीं। हालांकि इस संघर्ष में उसे अपने भाई का साथ मिलता है। कृष्णा राज निर्देशन नाटक में बेबी का किरदार तनु सनेजा, शिवप्पा का किरदार पवन लकवाल, राघव का किरदार नाटक के निर्देशक खुद कृष्णा राज और करवे का किरदार हितेश त्यागी ने निभाया।

'जरूरत है श्रीमती की' में पकड़ा गया झूठ

राजकुमार अनिल लिखित हास्य नाटक 'जरूरत है श्रीमती की' में झूठ से दूर रहने और सच्चाई पर रहने की सलाह दी गई। अम्बुज कुकरेती निर्देशित इस नाटक में सेठ जी के नौकर छटंकी के किरदार में अंकित पाठक ने खूब हंसाया। मुनीम की भूमिका में विनायक श्रीवास्तव, मलय कुमार के रोल में गौरव धीरज, मुकेश के किरदार में अंशुमन, मंदा की भूमिका में कीर्ति, सेठ के रूप में राजू चौहान, कवि प्रेमपुरी की भूमिका में अजय चौहान ने भी शानदार अभिनय किया।

रिद्धिमा में शास्त्रीय के साथ वेस्टर्न इंटूमेंटल और सुगम संगीत की बंदिश

बंदिश कार्यक्रम में भारतीय पारंपरिक शास्त्रीय वाद्ययंत्रों और वेस्टर्न म्यूजिक की जुगलबंदी प्रस्तुत हुई। स्नेह आशीष दुबे ने राग सादरा से परिचित कराया। शिवांगी मिश्रा ने नैना रे नैना तोसे लागे को अपनी आवाज दी। इन दोनों ने इंडियन और वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट की संगत में बरसन लागे नैन हमारे को पेश किया। इंदू परडल, स्नेह आशीष दुबे और शिवांगी मिश्रा ने कई प्रसिद्ध गानों का फ्यूजन पेश कर सभी श्रोताओं को अपने साथ थिरकने पर मजबूर कर दिया।

एसआरएमएस में दस दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में 50 से अधिक स्पर्धायें

महिला एवं पुरुष सब ने दिखाया 'पराक्रम'

टूर्नामेंट का उद्घाटन

बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक दिवसीय स्पोटर्स मीट टेबिल टेनिस, कबड्डी, वालीबाल, बैडमिंटन, सहित 50 स्पर्धाओं में सौ से खिलाड़ियों ने अपना सितंबर शुरू हुई स्पोटर्स काटकर उद्घाटन आदित्य मूर्ति जी ने किया। शुभकामनाएं दीं। कहाकि मेडिकल कालेज में दस आयोजित हुई। फुटबाल, बास्केटबाल, क्रिकेट, खो-खो और एथलेटिक्स ज्यादा महिला और पुरुष 'पराक्रम' दिखाया। छह मीट 'पराक्रम' का फीता डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन उन्होंने प्रतिभागियों को खेलों का हमारे जीवन में अहम योगदान है। इससे प्रतिस्पर्धा के साथ ही एकजुटता की भावना विकसित होती है। जो जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। इसी से जीत के लिए संघर्ष करने का जज्बा पैदा होता है। साथ ही हार के बाद फिर से जीत का विश्वास भी। प्रतियोगिता के अंत में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डा. आरपी सिंह मौजूद रहे।

- डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्यमूर्ति ने किया खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन
- ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित
- क्रिकेट, फुटबाल, कबड्डी, टेनिस, एथलेटिक्स सहित अन्य खेलों को टूर्नामेंट में दी गयी प्राथमिकता

क्रिकेट में जीत के इरादे से उतरीं महिला एवं पुरुष टीमें

कालेज के मैदान में पुरुष ही नहीं बल्कि महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने भी अपने प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर दी। इसमें पुरुष खिलाड़ियों की तीन टीमों के बीच कांटे की टक्कर रही। इसमें टीम ए के कप्तान नीलाक्ष, टीम बी के रक्षित माथुर और टीम सी की कप्तानी की जिम्मेदारी अभिनव तेवतिया को सौंपी गई थी। इनके बीच चार मैच खेले गए जिसमें टीम ए और सी के बीच फाइनल मैच खेला गया। अभिनव तेवतिया के नेतृत्व वाली टीम सी ने इस मैच में बाजी मारी। साथ ही महिला खिलाड़ियों ने भी मैदान पर खूब चौके छक्के मारे। यहां अक्षिता की कप्तानी में टीम ए ने टीम बी को हराकर जीत का परचम लहराया। टूर्नामेंट की क्रिकेट स्पर्धा की टीम सी के खिलाड़ी रेहान अली को मैन आफ द सीरीज चुना गया।

फुटबाल में खिलाड़ियों ने दागे 'दनादन' गोल

फुटबाल मैच महिला एवं पुरुष दोनों ही टीमों मे खेला गया। पुरुष टीमों में ए के कप्तान नीलाक्ष, टीम बी के राघव बाली, और टीम सी के कप्तान रक्षित माथुर की टीमों के बीच तीन मैच खेले गए, जिसमें टीम ए और बी के बीच पहला मैच बेनतीजा रहा। टीम बी और सी के बीच खेला गया मैच भी ड्रा हुआ। फाइनल में राघव बाली की कप्तानी वाली टीम ए को पटखनी देते हुए रक्षित माथुर की टीम सी विनर रही। वहीं महिला खिलाड़ियों में अनुष्का की कप्तानी वाली टीम बी को विजेता घोषित किया गया। फुटबाल स्पर्धा में रक्षित माथुर को गोल्डन बूट के लिए चुना गया।

वालीबाल में महिला खिलाड़ियों ने भी दिखाया दम

पराक्रम खेल महोत्सव में पुरुष खिलाड़ियों के बीच वालीबाल के कुल चार मैच और महिला खिलाड़ियों के बीच दो मैच हुए। इसमें टीम ए की कप्तानी नितिन, टीम बी की शुभम गुप्ता, टीम सी की सन्दीप यादव और टीम डी की कप्तानी संस्कार त्यागी ने की। इनके बीच में चार मुकाबले हुए जिसमें संस्कार त्यागी की टीम ने फाइनल में नितिन की कप्तानी वाली टीम ए पर शानदार जीत दर्ज की। महिला वालीबाल खिलाड़ियों में अनुभा की कप्तानी में टीम ए ने प्रगति की कप्तानी वाली टीम बी को पटखनी देते हुए जीत हासिल की।

जैवलिन थ्रो सहित एथलेटिक्स में हुई कई स्पर्धाएं

दस दिनों तक चले इन खेलों के अंतिम दिन महिला एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक स्पर्धाएं हुई। इसमें कैरम में पलक गुप्ता विजेता रहीं, जैवलिन थ्रो में पलक गुप्ता ने गोल्ड, आस्था खत्री ने सिल्वर, नवनीत और आयुषी ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके अलावा डिस्कस थ्रो में अंजलि ने गोल्ड ज्योतिका ने सिल्वर और नवनीत ने कांस्य पदक हासिल किए। वहीं 100 मीटर रेस में ज्योतिका ने गोल्ड, सलोनी ने सिल्वर और तनीषा ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। साथ ही 200 मीटर रेस में अनुभा को गोल्ड, लीनाक्षी को सिल्वर और नवनीत को कांस्य पदक हासिल किए। रिले रेस में कालेज के 2017 बैच की अनुभा, आस्था, ज्योतिका और सलोनी विनर रहे। वहीं 2020 बैच की लीनाक्षी, उमा, परिखा, आयुषी दूसरे स्थान पर और 2018 बैच की अंजलि, पलक, शिवांगी साहू और प्रगति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी में खिलाड़ियों ने दी एक दूसरे को कड़ी टक्कर

कबड्डी मैच में पांच टीमों ने हिस्सा लिया था। इनमें टीम ए के कप्तान संदीप यादव, टीम बी के रक्षित माथुर, टीम सी के अभिवन तेवतिया, टीम डी के मनीष राणा और टीम ई के कप्तान संस्कार त्यागी की टीमों के बीच मैच खेले गए। जिसमें संस्कार त्यागी की टीम ई ने फाइनल में टीम बी को पछाड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। मैच में कांटे की टक्कर देखने को मिली।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2014 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

'पैसा नहीं है'

लेखक- विनय कुमार 'विजय', पता- ग्राम डेहरी, पोस्ट नारायनपुर मिरजापुर (उ.प्र.)

बात 2010 की है ज्येष्ठ का वो महीना था। गर्मी अपनी चरम सीमा पर थी। बदन को झुलसा देने वाली इस धूप से बचते हुए रामू ने झट से रिक्शा सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे लगाया। सर से पगड़ी खोली, उसे झटकते हुए चेहरे से पसीने को पोंछा और उन्हीं पुराने गंदे कपड़ों में पसीने से लिपटे काले बदन को आराम देने के लिए घुटने मोड़ जमीन पर उकड़ूं हो बैठ गया। लेकिन दिल के किसी कोने में शांति कहां? बेचैन। बेचैनी थी उन धंसी आंखों में जो इधर उधर नजरें ढ़ूढती रहीं किसी सवारी के लिए। कभी छतरी के अंदर पैदल चलने वालों पर नजरें जम जाती थीं, तो कभी दूर और दूर नजरें ढूंढतीं थीं उन्हें, जिन्हें शायद किसी को अपनी मंजिल पर जाने के लिए रिक्शे की जरूरत पड़े। आधा घण्टा बीता, एक घण्टा बीता, डेढ़ घण्टा बीता, कोई नहीं आया। एक-एक पल पहाड़ जैसा लग रहा था जो बड़ी मुश्किल से गुजर रहे थे। अपनी धुरी पर निरंतर घूमते समय के इस चक्र के साथ तब तक रामू ने सुर्ती भी फांक ली थी, बीड़ी भी पी और धुंआ उड़ाया। समय कटता रहा, दिल मायूस होने लगा था, पर अभी भी नजरें नहीं थकी थीं।

सहसा उसने देखा, हाथ में हाथ पकड़े दो प्रेमी-प्रेमिका सामने विश्वनाथ मंदिर गेट से बाहर निकल रहे थे। उन्हें देखते ही क्षण-भर में उसकी आशा खुशी से उछल पड़ी जब प्रेमी ने पुकारा 'ओये रिक्शा'! उन ललचाती नजरों को राहत नसीब हुई, इंतजार करते-करते मिली थकान बिसर गई और शरीर में नई स्फूर्ती व मन में उमंग आ गई। रामू ने सर पर पगड़ी कस कर बांधी और रिक्शे को उनके पास ले जाते हुए पूंछा 'कहां जाई साहब?' 'लंका' आई बैठी। बैठी मेम साहब कड़ी धूप देखते ही हृदय सहम-सा जाता था और उसी धूप में तो एक बार पुन: पेड़ की छांव से बाहर निकलने का मन नहीं करता था। लेकिन सामने सवाल था-रोजी रोटी का। साहस जुटाते हुए रामू उन्हें बैठाकर लंका के लिए चल दिया। बिल्डिंग्स, सड़क के किनारे हरियाली, पेड़ पौधों व कुछ पक्षियों जैसे मोर आदि को देखकर प्रेमी प्रेमिका रोमांचित हो रहे थे। वो देखो मोर, प्रेमी ने प्रेमिका के कंधे पर हाथ फेंकते हुए उसकी तरफ अपना सर झुकाया और मोर को इशारा करते हुए बोला। अरे हां कितना सुंदर लग रहा है, नहीं? मोर को देखकर प्रेमिका चहकते हुए बोली। 'अति सुंदर।' रामू अपने पैरों से लगातार पैडल दबा रहा था। दाढ़ी बढ़ी हुई, मुंह सूखा हुआ, देह में रक्त और मांस का नाम नहीं जिन्हें ऊपर से मटमैले कपड़ों ने ढककर दुनिया की नजरों से छिपा लिया था। रिक्शा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। गर्म हवाएं और धूप अपना प्रभाव दिखाने लगे थे और जल्द ही शरीर पसीने से तरबतर हो गया। रामू अब थक रहा था। सुबह से रामू ने अब तक केवल 15 रुपये कमाए थे और इन दो सवारियों से उसे कुल 20 रुपये की आशा थी। इधर तिरछी नजर से प्रेमिका को देखते ही देखते प्रेमी को कुछ जिज्ञासा हुई और बोला 'सीमा'! एक बात पूछूं। पूछो। 'तुम सबसे ज्यादा किसे प्यार करती हो?' प्रेमिका विस्मित हो घूमी और प्रेमी को घूरती नजरों से देखा और आंखों ही आंखों में बोल दिया कि रिक्शा वाला सुन रहा है।

रामू भी उनकी बातों को आसानी से सुन रहा था और रोमांचित हो रहा था। बताओ न सीमा, प्रेमी ने जोर दिया। तुम्हें मेरी कसम। इसमें कसम की कौन सी बात थी? वह बाद में भी जान सकता था। अभी जानने की क्या आन पड़ी थी? सोचा बात कसम की है, इसलिए दसूरी तरफ देखते हुए उसने बात घुमायी और प्रेमी को बोला अरे बुद्धू! हूम विल आई लव मोस्ट, हूं? यू आर....यू आर दि ओनली माई ड्रीम लव। सूखते पौधे को पानी सींच गई। अब प्रेमी की जान में जान आई। एकाएक दोनों ठहाके लगाकर हंस पड़े।

तब तक रिक्शा बीएचयू गेट के बाहर आ चुका था। यहीं रोको रामू के कंधे पर हाथ थपथपाते हुए प्रेमी ने रिक्शा रुकवाया। अच्छा साब कहते हुए रामू ने रिक्शा सड़क किनारे लाकर रोक दी। लड़के ने उतरकर जेब से पर्स निकाला और उसमें झांकने लगा। पर्स नया लग रहा था। रामू ने अनुमान लगाया कि यह पर्स मंहगी होगी। जब पैसा लेने के लिए उसने हाथ बढ़ाया तो पांच का सिक्का। उसने तुरन्त अपना हाथ वापस खींच लिया और गमछा कंधे पर रखते हुए विनीत स्वर में बोला साब! दुई लोगन क बीस रुपिया भईल, पांच रुपिया नाहीं। बीस रुपया! भौं सिकुड़ते हुए लड़का आश्चर्य से बोला। हां साब विश्वनाथ टेंपल से लंका तक का ईक लोगन का दस रुपिया होला। गलत मजूरी नहीं लेत हई साब....! गलत नहीं तो और क्या है? तुम रिक्शे वालों का ज्यादा भाव बढ़ गया है....! पहले तो रामू ने सोचा शायद साब दिल्लगी कर रहे होंगे पर मामले को गंभीर होता देख वह ताड़ गया और हाथ जोड़ते हुए बोला नहीं साब, खून पसीना एक करी करी के हमहन रिक्शा चलावल जाला। साब! हमहनों के बीबी-बच्चा हयन। हमहन गलत मजूरी लेके अपने कपारे पर पाप काहे खातीन ढोवल जाई। पनरह रुपिया आउर देहीन न।

उस समय रिक्शे वालों का वी.टी. से लंका तक का किराया सिंगल सवारी का दस रुपये ही था। रामू वही ले रहा था जो सभी लेते थे

और जो उनका किरायाभाड़ा था। यदि वह अपनी पूरी मजूरी मांग रहा था तो क्या गुनाह कर रहा था, पर लड़का ठहरा अमीर खानदान का। भला उसे गरीबों के हाथतोड़ परिश्रम से क्या लेना देना ? और तो और यदि पूरी मजदूरी दे देता तो उसकी अपनी प्रेमिका के सामने धाक कैसे जमती ? मैं तो पांच ही दूंगा। तू लेता है या जाऊं ? लड़का कड़ककर बोला। तरसते दिल से रामू डर गया। वह कुछ नहीं बोला। क्या सोच रहे हो, ये लो रख लो, पैसा देने के लिए लड़के ने हाथ बढ़ाया। साब कइसे रख लेही, साहस करते हुए रामू बोला, पूरा मजूरिया त देई देवन जा। मजदूरी ही तो दे रहा हूं। त पनरह रुपिया आउर देहीन न साब....। क्या चिकचिक कर रखा है इडियट ? लड़की खड़ी-खड़ी तिनककर पूछी।

प्रेमिका के सामने इस तरह किचकिच करते हुए प्रेमी ने शर्मिंदा महसूस किया। उसने पांच का सिक्का रामू की ओर उछाला और प्रेमिका की तरफ हंसते हुए कमर में हाथ फंसाकर बोला डोन्ट माइन्ड डार्लिंग। लेट्स गो।

वो जा रहे थे, बिना पूरी मजदूरी दिये। रामू आज की अब तक की कमाई से संतुष्ट नहीं था। इतनी कम कमाई! घर में आज राशन भी खरीदकर ले जाना था, कल अपने गुल्लू बेटा को नर्सरी स्कूल की फीस भी देनी थी, नहीं तो प्रिंसिपल स्कूल से नाम काटकर बाहर कर देगा। पर इस पांच रुपये से क्या होगा ? सारी उत्कृष्टता इच्छाओं पर पानी फिरता दिख रहा था। गरीबी उसे धिक्कारकर विजय पताका मनाने लगी थी। यह सच है कि गरीब गरीबी से सदैव संघर्ष करता चला अया है तो रामू भी कैसे हाथ पर हाथ धरे बैठता ? उसने पांच का सिक्का सड़क पर से उठाया और पुन: उसके आगे जाकर पूरी मजदूरी देने की विनती की, दीन आग्रह किया, गिड़गिड़ाया। पर लड़के ने निर्दयी मन से रामू के सीने पर हाथ रखते हुए पीछे धकेल दिया और चल हट पैसा नहीं हैं दुत्कारते हुए आगे बढ़ गया। हाय! टुकड़े-टुकड़े हो गये दिल, बिखर गये अरमान फैल गया अन्धकार। क्या यही है कलयुग का संसार ? ठेस पहुंचा था उसे सीने पर नहीं बल्कि सीने के अंदर गरीब मासूम दिल पर और कुरमुराकर रह गया इस अत्याचार अनीति पर। रामू सन्नाटे में आ गया। मन तरह-तरह की कल्पनाओं में विचरने लगा था, लेकिन ये शब्द तपते हुए बालू की तरह हृदय पर पड़े और चने की भांति सारे अरमान झुलस गए। मन मसक कर रह गया। उसे क्या मालूम कि धर्म में आस्था रखने वाला पत्थरों का पुजारी गरीबों का घोर विरोधी है और किसी गरीब को इंसान से ज्यादा इंसानी मकड़ियां समझता है। अब उसमें इतना साहस न था कि उनके सामने जाकर कहे-मेरी पूरी मजदूरी दो या इस पैसे को भी रख लो नहीं चाहिए आपका एहसान। उसे अपने जीवन में कभी इतनी निराशा नहीं हुई थी जितनी आज हुई। हड्डी के पोर-पोर में भरे हुए दर्द के गर्त पर अभिलाषा (पैसे की कमी) की पतली परत जम गई थी। दर्द क्या होता है भूल गया था पर जैसे ही निराशा का डण्डा उस गर्त पर पड़ा वैसे ही सारी अभिलाषा धूल की तरह झड़ गई और दर्द पुन: साफ-साफ उभर आए। शरीर थककर चूर हो गया था। मन में एक बार विचार आया कि कहीं सचमुच में उनके पास पैसा ना रहा हो तो कहां से देंगे ? देखा नहीं कैसे वो पर्स झांक रहे थे। यदि होता तो क्या वे नहीं देते।

इस प्रकार अपने मन को समझाकर रामू ने दुखी मन से सिक्के को देखा प्यासे को एक बूंद पानी का उपहार मिला था वो भी इतना हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद। उस बूंद को कुर्ते की बायीं जेब में सहेजते हुए उन प्रेमी-प्रेमिका को पीछे मुड़कर देख जो बिना पीछे देखे मस्त हाथी की चाल चलते चले जा रहे थे। आंसुओं को सम्भालते हुए उसने आंखों पर गमछा दो तीन बार फिराया और नजर झुकाएं निराश मन से रिक्शे की ओर बढ़ चला। वह आगे बढ़ा ही था कि थोड़ी देर में मानों उसके पैरों तले जमीन खिसक गई, एक नई मुसीबत खड़ी होकर हंसने लगी थी। उसके कानों में एक कड़कती आवाज सुनाई दी ऐ ये किसका रिक्शा है ? रिक्शे पर डण्डा मारते हुए एक मोटा-ताजा तोंद निकला हुआ मूंछ वाला वर्दीधारी रिक्शे के पास खड़ा था। देखते ही रामू का जी सन्न रह गया। पैसे की निराशा क्षणभर में विलुप्त हो गई और भय ने उसका स्थान ले लिया। माथे पर सिकन आ गई, होंठ चाटने लगा, थूक घोटने लगा। स्थिति ऐसी जैसे चूहे के सामने भारी-भरकम शरीर वाला हाथी। एक घुड़की ही चूहे को रूलाने के लिए काफी थी। अब क्या होगा ? रामू ने सोचा रिक्शा तो लेना ही है। साहस बटोरकर वह आगे बढ़ा और लड़खड़ाती जुबां से बोला ई-ई हमार.....। इतना बोला ही था कि पुलिस ने रामू के पिछवाड़े एक डंडा जोर से लगाया और डपटते हुए बोला ये रिक्शा लगाने की जगह है ? जल्दी हटा कहते हुए एक डंडा और लगा। तीसरी बार पुन: जब पुलिस वाले ने डंडा ताना ही था कि रामू सिकुड़ते हुए हाथ जोड़कर बिना कोई शब्द कहे तेजी से रिक्शे की ओर लपका और रिक्शा पुन: वापस मोड़कर चल दिया।

फिर वही लचचाती नजरें जो शुरू में थी-सवारी ढूंढने लगीं। दायें देखा, सामने देखा, बायें देखा नजरें ठहर गई। एक आईसक्रीम बेचने वाले के यहां। वहां सर पर चश्मा लगाए दो नौजवान लड़का-लड़की आईसक्रीम खा रहे थे। क्या रामू का भी मन ललचा गया उस आईसक्रीम पर ? नहीं उसने तो दुखी मन से उस हृदय को पूरे मस्ती के शबाब में डूबे देखा जिसने कुछ देर पहले रामू को निर्ममता के साथ धक्का देते हुए कहा था कि पैसे नहीं हैं। और देख उन्हीं नई पर्स से पैसा निकालकर दुकानदार को देते हुए। रामू की आंखों में न दया थी, ना क्रोध ही था, थी तो केवल उदासीनता।

(समाप्त)

राज्यमंत्री महेश गुप्ता ने किया एसआरएमएस स्टाफ को सम्मानित

प्रदेश के नगर विकास राज्यमंत्री महेशचंद्र गुप्ता 19 अक्टूबर को डेंगू की पुष्टि होने पर बदायूं स्थित घर पर ही उपचार ले रहे थे। तबियत बिगड़ने उन्हें 24 अक्टूबर को एसआरएमएस मेडिकल कालेज में भतह्र कराया गया। कुछ दिन यहां भर्ती रहने के बाद राज्यमंत्री पूरी तरह स्वस्थ हो गए। घर जाने से पहले यहां के डाक्टर, नर्सिंग सहित पूरे स्टाफ की सेवा की उन्होंने तारीफ की। साथ ही मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, पेशेंट केयर मैनेजर डा.आईए खान, नर्सिंग स्टाफ को सम्मानित किया। उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कालेज को रुहेलखंड मंडल की बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि बरेली मंडल सहित आसपास के क्षेत्र के मरीजों को स्वस्थ करने में यह मेडिकल कालेज महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अब एसआरएमएस मेडिकल कालेज में होगी किडनी ट्रांसप्लांट

बरेली: रूहेलखंड मंडल के किडनी मरीजों को आपरेशन के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। ऐसे मरीजों का किडनी ट्रांसप्लांट अब एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ही संभव होगा। इसकी परमीशन डीजी मेडिकल एजूकेशन एंड ट्रेनिंग ने दी है। यह जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज के नेफ्रोलाजिस्ट डा.संजय कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत उन मरीजों को होती है जो डायलिसिस पर हों या किडनी समस्याएं स्टेज फाइव में पहुंच गयी हों। अभी तक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए मरीजों को दिल्ली या लखनऊ जाना पड़ता था। अब उन्हें एसआरएमएस मेडिकल कालेज में ही यह सुविधा मिल सकेगी और सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट किया जाएगा। नेफ्रोलाजिस्ट डा. विद्यानंद ने कहा कि एसआरएमएस मेडिकल कालेज सभी स्पेशियलिस्ट और सुपरस्पेशियलिस्ट चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां हम मरीओं को विश्वस्तरीय ट्रीटमेंट दूसरे शहरों के मुकाबले कम से कम कीमत पर देने में सक्षम हैं। यूरोलाजिस्ट व किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डा. महेश त्रिपाठी ने कहा कि दिल्ली और लखनऊ के बीच बरेली ही एकमात्र ऐसा शहर है जहां किसी संस्थान को किडनी ट्रांसप्लांट की मंजूरी सरकार ने दी है। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को 15 वर्ष तक डायलिसिस से छुटकारा मिल जाता है और दिनचर्या आसान हो जाती है। ऐसे में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को किडनी ट्रांसप्लांट की मान्यता मिलना बरेली और आसपास के क्षेत्र में मौजूद डायलिसिस कराने वाले मरीजों के लिए वरदान है। इस मौके पर यूरोलाजिस्ट डा.ब्रजेश कुमार अग्रवाल, यूरोलाजिस्ट डा.रेहान फरीद ने भी खुशी दर्शाई।

एसआरएमएस कर्मियों ने ली 'नशा मुक्ति' की शपथ

बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज आफ साइंसेज में 20 अक्टूबर को अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ की ओर से नशा मुक्ति की शपथ दिलायी गई। इस दौरान सिक्योरिटी स्टाफ, ड्राइवर सहित अन्य कर्मचारियों ने संकल्प पत्र पढ़कर खुद के साथ अपने मोहल्ले, आस पड़ोस, शहर, राज्य और देश को नशामुक्त बनाने की अपील की। अखिल भारतीय योग शिक्षिक महासंघ की सदस्य, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के गर्ल्स हास्टल की सुप्रिंटेंडेंट और योगाचार्य ऋषिका सेठ ने बताया कि अखिल भारतीय योग शिक्षक संघ और शिक्षिकाएं घर-घर तक योग पहुचाकर लोगों को स्वस्थ्य बनाने के साथ ही उन्हें नशा मुक्त करने का आभियान चला रहे हैं। देश के युवाओं सहित सभी लोगों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाकर उन्हें और उनके परिवार को एक सुखद भविष्य देना ही हमारा संकल्प है। इसलिए ड्रग्स, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट आदि छोड़ने की शपथ दिलाई जा रही है। इस दौरान एक शपथ पत्र भी पढ़वाया गया। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान एसआरएमएस मेडिकल कालेज का स्टाफ, कर्मचारी, सिक्योरिटी गाड्र्स, मरीजों के साथ आए हुए तीमारदार और ज्ञान सिंह आदि शामिल रहे।

NEW EMPLOYEE

(Till Oct. 2021)

Dr. Pankaj Agarwal
Associate Professor
Phd, MBA Department
SRMS CET, Bareilly

Dr. Jyoti Agarwal
Associate Professor
Phd, CSE Department
SRMS CET, Bareilly

Mohd. Zubair
Assistant Professor
Phd, MBA Department
SRMS CET, Bareilly

Dr. Jyoti Baghel
Asst. Professor
MS & DNB (Obs & Gynae)
Obs & Gynae
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Rajneesh Rawat
Asst. Professor
Ms (General Surgery)
General Surgery
SRMS IMS, Bareilly

Dr. Amit Varshney
Asst. Professor
D.N.B.(Cardiology)
General Medicine
SRMS IMS, Bareilly

Ms. Afreen
Assistant Professor
M. Form
SRMS College of Pharmacy
Bareilly

Mr. Pavas Mehrotra
Assistant Professor
M. Form
SRMS College of Pharmacy
Bareilly

Ms. Divya Joshi
Assistant Professor
M. Tech
CSE Department
SRMS CET, Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में
संबद्ध होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं
शुभकामनाएं ...

इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज में वायब्रेन्ट क्लब की नयी कमेटी ने ली शपथ

बरेली: छह अक्टूबर को बरेली स्थित श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेज में पैरामेडिकल पाठ्यक्रम के वायब्रेन्ट क्लब की नयी कमेटी का शपथ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के चेयरमैन श्री देवमूर्ति जी, निदेशक श्री आदित्य मूर्ति जी, प्राचार्य डा. कृष्ण गोपाल, आईएमएस के प्राचार्य डा. एस.बी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, फैकल्टी इंचार्ज डा. आशीष चौहान (पी.टी.), डीएसडब्लू इमरान अहमद अंसारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एंव दीप प्रज्जवलित कर किया। पैरा मेडिकल की छात्रा अंशिका ने गणेश वन्दना पर नृत्य प्रस्तुत किया। वायब्रेन्ट क्लब की पूर्व अध्यक्षा महक नाज ने (वर्ष 2019-20) ने भावी अध्यक्षा स्वार्णिमा सिंह (वर्ष 2020-21) को अपना कार्यभार सौंपा और अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इसके बाद अध्यक्ष स्वार्णिमा सिंह ने अपने वायब्रेन्ट क्लब के समस्त सदस्यों को शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम के बाद चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने वायब्रेन्ट क्लब के समस्त सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कालेज कार्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, पैरा मेडिकल कालेज के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दशहरा मेला

बरेली: श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज के ग्राउंड में 15 अक्टूबर को विजयदशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर दशहरा मेला आयोजन हुआ। जिसका उद्घाटन एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने किया। कालेज के कनेक्सस क्लब की ओर से आयोजित इस मेले की शुरुआत कालेज स्टूडेंट्स द्वारा गणपति वंदना पर नृत्य से हुई। मेडिकल कालेज के स्टूडेंट्स के 'इंफरक्शन' बैंड ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। रात नौ बजे देवमूर्ति जी और आदित्य मूर्ति जी ने रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले का दहन किया।

अलकनंदा रिसॉर्ट में डांडिया नाइट्स

बरेली: कनेक्सस क्लब ने एसआरएमएस अलकनंदा रिसार्ट में 14 अक्टूबर को नवरात्रि के अंतिम दिन डांडिया नाइट 'जलसा' का आयोजन किया। कनेक्सस क्लब की एग्जीक्यूटिव मुस्कान के अनुसार डांडिया नाइट्स की शुरुआत मां अम्बे जी की पूजा के साथ हुई। कार्यक्रम में लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर गुजरात के परंपरागत गीतों की धुन पर गरबा किया। हाथों में डांडिया लिए स्टूडेंट्स 'ढोलीडा ढोल धीमो', 'केसरिया रंग तने लाग्यो', 'सनेडो' सहित अन्य फिल्मी गीतों पर जमकर थिरके।

ओम बिरला ने किया कोविड केयर पर वैश्विक कांफ्रेंस का उदघाटन

बरेली: क्रिटिकल केयर फाउंडेशन एंड इंडियन सोसायटी आफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की ओर से कोविड एंड क्रिटिकल केयर पर तीन दिनी वर्चुएल वर्कशाप का आयोजन हुआ। 24 अक्टूबर को इस वर्कशाप का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस आयोजन में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और पल्मोनरी विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओम बिरला के साथ ही कई देशों के वैज्ञानिक, विशेषज्ञ डाक्टरों ने भी इस वर्कशाप में हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने कहा कि विश्व ने इससे ज्यादा मुश्किल हालात नहीं देखे। ऐसे समय जब विश्व के तमाम शक्तिशाली मुल्कों की अर्थव्यवस्था घुटनों पर आ गई। उस समय भारत ने इस महामारी का डटकर सामना किया और सफल टीकाकरण अभियान चलाया। वैज्ञानिकों ने भारतीय चिकित्सकों और फ्रंट लाइन वर्कर्स की तारीफ की। कोविड एंड क्रिटिकल केयर विभागाध्यक्ष और वैश्विक कांफ्रेंस के कोआर्डिनेटर डा.ललित सिंह, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, एनेस्थीसिया विभाग की डा.गीता काकड़, कम्यूनिटी मेडिसिन के डा.निपुन अग्रवाल, डा.यतिन मेहता भी वर्कशाप में शामिल हुए।

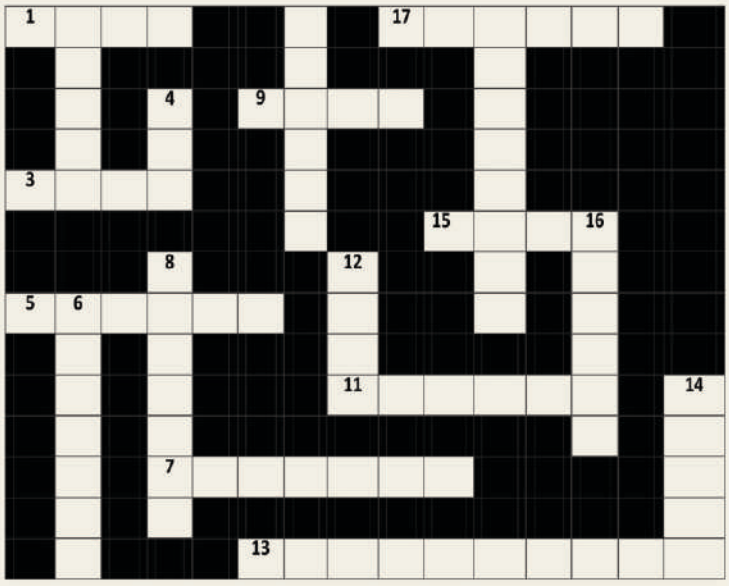

Crosswords No. 18

HORIZONTAL

1. Chemical element with the symbol Au
3. Atomic number 26
5. soft, silvery alkaline earth metals never found in nature as a free element.
7. Has the highest atomic weight
9. widely used for car batteries.in Latinplumbum
11. mined in the Sudbury region of Ontario, Canada
13. exists in two major forms, white and red
15. Meat is an excellent source
17. a white lustrous metal valued for its decorative beauty and electrical conductivity

VERTICAL

2. metal with very high thermal and electrical conductivity
4. chemical element with the symbol Sn
6 It is the rarest naturally occurring element in the Earth's crust
8. it is the lightest metal and the lightest solid element
10. poisonous andused in the production of pesticides
12. It is a noble gas
14. is an alloy of copper and zinc
16. blue-pigment producing metal
18. is a weak metal in the boron group

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 18

						2		
	8				7		9	
6		2				5		
	7			6				
			9		1			
	6			2			4	
8					2			3
		1					7	
7			1					9

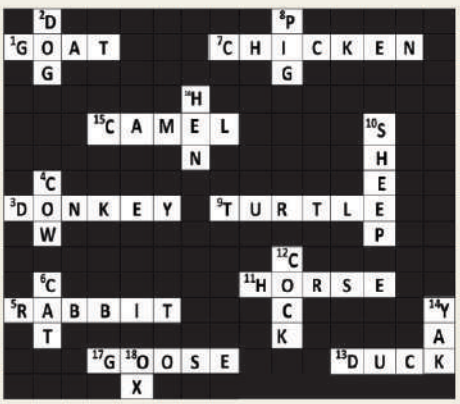

Answer: Crosswords No. 17

6	2	1	8	4	3	9	7	5
9	4	8	1	5	7	2	3	6
3	5	7	9	2	6	8	1	4
2	7	5	4	9	8	3	6	1
4	6	3	7	1	2	5	9	8
8	1	9	6	3	5	4	2	7
1	8	2	5	6	9	7	4	3
5	3	6	2	7	4	1	8	9
7	9	4	3	8	1	6	5	2

Answer: Soduko No. 17

SRMS

किडनी ट्रान्सप्लांट एवं कॉम्प्रीहेंसिव केयर एक छत के नीचे

अब बरेली में

प्रथम समस्त उच्चस्तरीय सुविधाओं से युक्त

किडनी ट्रान्सप्लांट सेंटर

(डीजीएमई, उ.प्र. सरकार से मान्यता प्राप्त)

स्टेट-ऑफ-द-आर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर

गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करने के साथ समस्त एडवांस रीनल डिसीजेज के इलाज हेतु एक सर्वश्रेष्ठ सेंटर

अनुभवी एवं प्रशिक्षित किडनी ट्रांसप्लांट चिकित्सकों सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक

अनुभवी एवं प्रशिक्षित पैरामेडिकल एवं नर्सिंग टीम

ऑपरेशन थियेटर, आईसीयू, रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, ब्लड ट्रांसफ्यूजन सुविधायें आदि से युक्त सर्वश्रेष्ठ सेंटरों में से एक

सभी वर्गों हेतु किडनी ट्रांसप्लांट हेतु किफायती पैकेज उपलब्ध

विभिन्न सरकारी योजनाओं से भी ट्रांसप्लांट की सुविधा

किडनी ट्रान्सप्लांट टीम

- **डॉ. संजय कुमार**
  एमडी, डीएनबी (नैफ्रोलॉजी)
- **डॉ. ब्रजेश अग्रवाल**
  एमएस, डीएनबी (यूरोलॉजी)
- **डॉ. महेश त्रिपाठी**
  एमएस, एमसीएच (यूरोलॉजी)
- **डॉ. विद्यानंद**
  एमडी, डीएनबी (नैफ्रोलॉजी)
- **डॉ. प्रदीप मेंदीरत्ता**
  एमएस, एमसीएच (यूरोलॉजी)
- **डॉ. रेहान फरीद**
  एमएस, एमसीएच (यूरोलॉजी)

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, राममूर्ति पुरम्, 13 किमी., बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली

हैल्पलाइन: 9458704444, 9458706531